Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 15-05-2006

Participants : Mohale Shri Punnulal

an>

Title : Power crisis in Chhattisgarh.

श्री पुन्नूलाल मोहले (बिलासपुर) : सभापति महोदय, बिजली की कटौती होने से पूरे देश में किसानों, कन्ज़्यूमर्स और कारखाने वालों को बहुत घाटा हो रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य में केन्द्र सरकार ने बिजली की कटौती 288 मेगावाट की है। 499 मेगावाट में से मात्र 210 मेगावाट बिजली दी जा रही है जिससे छत्तीसगढ़ के किसानों को गर्मी के दिनों में परेशानी हो रही है, उनके पम्प बंद हो चुके हैं और उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही है। ढाई से तीन घंटे तक बिजली कटौती हो रही है। ऐसे ही गुजरात और महाराट्र में बिजली कटौती हो रही है। दिल्ली में 400 से 500 मेगावाट बिजली की और जरूरत है, गुजरात में 4000 से 8000 मेगावाट की जरूरत है। मध्य प्रदेश में 6 से 8 घंटे तक बिजली कटौती हो रही है। इस तरह पूरे देश की बिजली कटौती में केन्द्र सरकार सौतेला व्यवहार कर रही cè[R13]।

मैं कहना चाहूंगा कि मध्य प्रदेश से जब छत्तीसगढ़ राज्य अलग हुआ, उस समय 1140 मेगावाट बिजली पैदा हो रही थी। गुजरात में जवाहर सागर डैम, गांधी नगर, राणा प्रताप सागर और गुजरात सरोवर से बिजली पैदा हो रही थी। इस तरह 1140 मेगावाट बिजली में से 299 मेगावाट बिजली छत्तीसगढ़ सरकार को चाहिए था। लेकिन छत्तीसगढ़ सरकार को अभी तक केन्द्र सरकार ने बंटवारे की भी बिजली नहीं दी है। उसके अलावा वह 288 मेगावाट बिजली की कटौती भी कर रही है। इस कारण लोगों को परेशानी हो रही है। मैं केन्द्र सरकार से मांग करना चाहूंगा कि इन परिस्थितियों को देखते हुए केन्द्र सरकार ने छत्तीसगढ़ राज्य में बिजली की जो कटौती की है, वह दे और मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ राज्य के अलग होने से उसके हिस्से में जो 299 मेगावाट बिजली आती है, उसका बंटवारा अविलम्ब करे । छत्तीसगढ़ राज्य में एक साल में यानी वर्ा 2005 में 800 से 900 करोड़ रुपये फिजूल का खर्च हो रहा है। इस तरह से उन्हें घाटा हो रहा है। इस वर्ा अब तक 1200 करोड़ रुपये का घाटा हो चुका है।

मैं केन्द्र सरकार से मांग करना चाहूंगा कि यह सब देखते हुए छत्तीसगढ़ के साथ सौतेला व्यवहार न किया जाये। मध्य प्रदेश से बंटवारे वाली जो बिजली मिलनी है, वह दी जाये और केन्द्र सरकार ने जो कटौती की है, वह भी दी जाये।